आखर हिंदी पत्रिका; e-ISSN-2583-0597 खंड 2/अंक 3/सितंबर 2022
Received:09/08/2022; Published:24/09/2022

गूँज... वंदे मातरम की

- मुक्ता

जब भी फूल की बात होगी -
रंगों की बात होगी...खुशबू की बात होगी
जब भी पहाड़ों की बात होगी-
विस्तार की बात होगी...शिखरों की बात होगी
जब भी नदी की बात होगी...गति और गहराई की बात होगी
जहाँ भी भूख होगी...
रोटी की बात होगी...किसान की बात होगी
जब भी देश की बात होगी ...गूँज होगी वंदेमातरम की
पचहत्तर वर्ष केवल गिनती नहीं हैं...
हमारी धमनियों में बहते रक्त
हमारे सपनों का-
हिस्सा हैं आजादी के ये वर्ष।

****